

तारीख
हकम

हकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

13/8
24

पत्रावली पेश हुयी। मूल वाद पत्र पर आज आदेश दिया जाना है। वकील पक्षकारान द्वारा पूर्व में बहस सुनि गई। जिसमें वकील वादी ने वाद पत्र में अंकित तथ्यों को दोहरान करतें हुये कथन किया था कि राजस्व ग्रम नरहड़ के भूमि ख0 1800 रकबा 1.53 है0, खसरा नं0 1801 रकबा 1.55 है0, मे वादीगण व प्रतिवादी संख्या 1 के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। लेकिन वादीगण उक्त भूमि के कृषि कार्य हेतु लोन लेना चाहा तो पटवारी हल्का ने जिस भूमि पर वादीगण काबिज है वह भूमि प्रतिवादी संख्या 1 के नाम दर्ज होना बताया गया जिसको तहसीलदार चिड़ावा से दुरुस्त करवाना चाहा तो तहसीलदार ने इनकार कर दिया गया इसलिये दावा श्रीमान के समक्ष पेश कर निवेदन है कि राजस्व ग्रम नरहड़ की भूमि खसरा नं0 1801 रकबा 1.55 है0 में दर्ज प्रतिवादी नं0 1 का नाम हजफ किया जाकर वादीगण का नाम दर्ज किया जावे व खसरा नं0 1800 रकबा 1.53 है0 में दर्ज वादीगण का नाम हजफ किया जाकर प्रतिवादी सं0 1 का नाम दर्ज किया जावे।

वकील प्रतिवादी सं0 1 ने इकबालिया जवाब पेश कर वादी के हक में वाद डिकी करने में सहमति जाहिर गई है। पत्रावली, दस्तावेज व इकबालिया जवाब, शपथ पत्र/साक्ष्य आदि का अध्ययन करने व बहस उभय पक्ष पर मनन करने से जाहिर है कि वादग्रस्त आराजी पैतृक भूमि है जिस पर पक्षकारान आपस में राजीनामा करना चाहते है। अतः राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मण्डल राजस्थान, अजमेर) अधिनियम-1955 के नियम 19, आदेश 12 नियम 6 सीपीसी के प्रावधानों के अनुसार प्रकरण में पक्षकारान के मध्य समझौता/राजीनामा के आधार पर वाद पत्र वादीगण डिकी किया जाना न्यायोचित है।

आदेश

वाद वादी स्वीकार किया जाकर राजस्व ग्रम नरहड़, पटवार हल्का नरहड़, तहसील चिड़ावा के भूमि खसरा नं0 1801 रकबा 1.55 है0 में से प्रतिवादी संख्या 1 का नाम हजफ किया जाकर वादीगण के नाम दर्ज किया जाता है और भूमि खसरा नं0 1800 रकबा 1.53 है0 में से वादीगण का नाम हजफ किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 का नाम दर्ज किया जाकर खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है और तहसीलदार चिड़ावा इसी अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद करें।

पत्रावली बाद फैसल शुमार नम्बर से कम होकर दफ्तर दाखिल हो।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।

(P)

(बृजेश कुमार)
उपखण्ड अधिकारी

चिड़ावा
उप खण्ड अधिकारी
चिड़ावा जिला झुझुनू (राज.)